<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

<u>अधीनस्थ अफसरों की बैठक</u>

1. माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सरकारी विभागों में निर्णय लेने हेतु मिलजुलकर कार्य करने के दृष्टिकोण के अनुरूप 02-03 जून 16 को तटरक्षक मुख्यालय में अधीनस्थ अफसरों की एक बैठक का आयोजन किया गया । महानिदेशक राजेंद्र सिंह, पीटीएम, टीएम, महानिदेशक, भारतीय तटरक्षक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया । इस अवसर पर बोलते हुए महानिदेशक भारतीय तटरक्षक ने कहा, कि कार्यक्रम का उद्देश्य निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधीनस्थों को सम्मिलित करना है । प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने वायदा किया कि प्रस्तुत किये गये सुझावों का विश्लेषण करके संगठन में उन पर अमल करने का विचार किया जाएगा ।

2. इस प्रकार का यह पहला कार्यक्रम है जिसमें प्रस्तावों, उसका क्रियान्वयन तथा उसका प्रस्तुतीकरण सब कुछ अधीनस्थ अफसरों द्वारा किया गया । इस प्रकार की बैठक के आयोजन से, न केवल, विभाग के मध्यम स्तर प्रबंधन की सीमा में विस्तार होगा, बल्कि, वरिष्ठ अफसरों के सम्मुख किसी भी प्रकार की प्रस्तुतीकरण करने में अधीनस्थ अफसरों के आत्मविश्वास में संवर्धन होगा । बैठक में भारतीय तटरक्षक के सभी 05 क्षेत्रों से प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, प्रत्येक क्षेत्र के दल में 05 अधीनस्थ अफसर सम्मिलित हैं ।

3. अधीनस्थ अफसरों की विभाग में महत्वपूर्ण भूमिका होने के कारण ऐसे कार्यक्रमों का महत्व और बढ़ जाता है । ये अन्य रैंकों एवं अफसरों के बीच न केवल सेतु का काम करते हैं, बल्कि, समुद्री क्षेत्र अधिनियम, 1981, (एमजेडआई), कस्टम एक्ट 1982 तथा नॉरकोटिक ड्रग एंड साइकोट्रोपिक सब्सेंटस एक्ट (एनडीपीएस) 1985 जैसे विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत दी गई शक्तियों द्वारा कानूनों को लागू करते हैं । इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इन विशिष्ट पेशेवर कार्मिकों को विभागीय हित के लिए किफायती ढ़ग से उपयोग किया जाए ।